SET – 1

Series : SGN/C

कोड नं.
Code No. 29/1

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।*

*(ii) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(iii) विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।

खण्ड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **15**

बिल गेट्स के शब्दों में "भारत सूचना युग में प्रवेश करने के लिए बहुत ही उत्तम स्थिति में है । शिक्षा, प्रौद्योगिकी, आधारभूत संरचना और इंटरनेट में सही किस्म के निवेश से भारत एक सॉफ्टवेयर शक्ति के रूप में उभर सकता है । उसके कम्प्यूटर वैज्ञानिक विश्वव्यापी कंपनियों का नेतृत्व करनेवालों में हैं । उसके बंगलुरु, पुणे तथा अन्य नगरों में स्थित कम्प्यूटर केंद्रों को आदरपूर्वक देखा जाता है । उसके निगमों का प्रौद्योगिकीय विकास तथा फैलाव प्रभावशाली रूप से तीक्ष्ण है ।" बिल गेट्स के ये शब्द मौजूदा भारत के आर्थिक विकास की संभावना भरी छवि को चित्रित करते हैं ।

आज के संदर्भ में आर्थिक विकास से आशय प्रतियोगिता के लिए खुलापन, अंतर्राष्ट्रीय बाजारों का उपयोग, स्कूली एवं उच्च शिक्षा में औद्योगीकरण को बढ़ावा देनेवाली सार्वजनिक भागीदारी, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य-सुधार, महिला विकास, बाल-कल्याण आदि से है । इसके अतिरिक्त अनेक ऐसे क्षेत्र हैं, जैसे पर्यावरण नीतियाँ, ग्रामीण क्षेत्रों का विकास, कृषि सुधार, पूँजीगत सुविधाओं का विस्तार, विश्वसनीय कानून व्यवस्था आदि जो आर्थिक विकास के कारक हैं । आर्थिक विकास संबंधी इन तमाम पक्षों के मूल में है जनजीवन की गुणवत्ता में सुधार ।

भारतीय अर्थव्यवस्था के सुधार का लक्ष्य उत्पाद, बाजार और उसे नियंत्रित करनेवाली अर्थव्यवस्था की ढाँचागत अड़चनों को दूर करना है । इससे अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धी ताकतों को बढ़ावा मिल सकेगा जिससे कुशलता और उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार के अवसर पैदा होंगे । आर्थिक विकास को संबल देने की दृष्टि से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्रों पर खर्च करना अनिवार्य है । हालाँकि विकास के आरंभिक दौर में आधारभूत संरचना जैसे बिजली, सड़क, परिवहन, संचार आदि क्षेत्रों पर भरपूर ध्यान देने की आवश्यकता है । आर्थिक विकास का संबंध सामाजिक अवसरों के विस्तार यानी लोगों के जीवन में आने वाले बदलाव से है । इसमें लोकतंत्र की भूमिका का भी अपूर्व योगदान है । लोगों की राजनीतिक स्वतंत्रताओं को सुरक्षित रखते हुए जनता के जीवन एवं क्षमताओं का संवर्धन इसके मूल में है । आर्थिक विकास के संदर्भ में लोकतंत्र का नकारात्मक पक्ष यह है कि लोकधन की बेतहाशा लूट से आर्थिक विकास की गति को झटका लगता है ।

(क) किस किस्म के निवेश से भारत एक सॉफ्टवेयर शक्ति के रूप में उभर सकता है ? **(2)**

(ख) भारत के किन-किन नगरों को प्रतिष्ठित कम्प्यूटर केंद्रों में गिना जाता है ? इनका विस्तार किस प्रकार हुआ है ? **(2)**

(ग) आर्थिक विकास से लेखक का आशय क्या है ? **(2)**

(घ) आर्थिक विकास के कारक क्या हैं ? **(2)**

(ङ) भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के लक्ष्य क्या हैं ? **(2)**

(च) आधारभूत संरचना से आप क्या समझते हैं ? उस पर ध्यान देना क्यों आवश्यक है ? **(2)**

(छ) आर्थिक विकास में सामाजिक विकास के विस्तार से क्या आशय है ? **(2)**

(ज) निर्दिष्ट गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए **(1)**

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 5 = 5**

नंदा !
बीस-तीस-पचास वर्षों में
तुम्हारी वन-राजियों को लुगदी बनाकर
हम उस पर
अखबार छाप चुके होंगे
तुम्हारे सन्नाटे को चींथ रहे होंगे
हमारे धुँधआते शक्तिमान ट्रक
तुम्हारे झरने-सोते सूख चुके होंगे
और तुम्हारी नदियाँ
ला सकेंगी केवल शस्य-भक्षी बाढ़ें
या आँतों को उमेंठने वाली बीमारियाँ
तुम्हारा आकाश हो चुका होगा
हमारे अतिस्वन विमानों के
धूम-सूत्रों का गुंजार ।
नंदा
जल्दी ही
बीस-तीस-पचास बरसों में
हम तुम्हारे नीचे एक मरु बिछा चुके होंगे
और तुम्हारे उस नदी-धौत सीढ़ी वाले मंदिर में
जला करेगा एक मरु दीप !

(क) कवि ने 'नंदा' संबोधन किसके लिए किया है ? **1**

(ख) कवि ने 'नंदा' के वनों के बारे में क्या आशंका व्यक्त की है ? **1**

(ग) किन पंक्तियों में 'नंदा' से निकलने वाली नदियों के प्रदूषित हो जाने का उल्लेख है ? **1**

(घ) 'धुँधआते शक्तिमान ट्रक' किस बात का प्रतीक है ? **1**

(ङ) काव्यांश का केंद्रीय भाव संक्षेप में लिखिए । **1**

खण्ड – 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **10**

(क) बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ

(ख) पर्यावरण संरक्षण

(ग) भ्रष्टाचार का दानव

(घ) मेरा जीवन स्वप्न

4. "प्रत्यक्ष" हिंदी पाक्षिक पत्रिका को देश के विभिन्न हिस्सों के लिए संवाददाताओं की आवश्यकता है । पत्रकारिता संबंधी अपनी काल्पनिक योग्यता, अनुभव और उपलब्धियों का विवरण देते हुए आवेदन पत्र लिखिए । **5**

अथवा

बिगड़ती कानून व्यवस्था में तत्काल सुधार लाने के लिए किसी घटना के विवरण के साथ अपने शहर के पुलिस अधिकारी को एक पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए : **1 × 5 = 5**

(क) स्टिंग ऑपरेशन क्या है ?

(ख) टेलीविजन को जनसंचार का सबसे लोकप्रिय माध्यम क्यों कहा गया है ?

(ग) अंशकालिक संवाददाता किसे कहा जाता है ?

(घ) विशेष लेखन से क्या तात्पर्य है ?

(ङ) फीचर किसे कहते हैं ?

6. 'मुद्रित माध्यमों की विशेषताएँ' विषय पर एक आलेख लिखिए । **5**

खण्ड – 'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **8**

चढ़कर मेरे जीवन–रथ पर,
प्रलय चल रहा अपने पथ पर ।
मैंने निज दुर्बल पद–बल पर,
उससे हारी–होड़ लगाई ।
लौटा लो यह अपनी थाती
मेरी करुणा हा–हा खाती
विश्व ! न सँभलेगी यह मुझसे
इससे मन की लाज गँवाई ।

अथवा

अगहन देवस घटा निसि बाढ़ी । दूभर दुख सो जाई किमि काढ़ी ।
अव धनि देवस बिरह भा राती । जरै बिरह ज्यों दीपक बाती ।
काँपा हिया जनावा सीऊ । तौ पै जाइ होइ सँग पीऊ ।
घर–घर चीर रचा सब काहूँ । मोर रूप रँग लै गा नाहू ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 × 2 = 6**

(क) 'गीत गाने दो मुझे' कविता दुख और निराशा से लड़ने की शक्ति देती है । टिप्पणी कीजिए ।

(ख) राम के प्रति अपने श्रद्धाभाव को भरत किस प्रकार प्रकट करते हैं ? 'भरत–राम का प्रेम' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** काव्यांशों का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **3 × 2 = 6**

(क) अगर ध्यान से देखो
तो यह आधा है
और आधा नहीं है

(ख) कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि,

मूदि रहए दु नयान ।

कोकिल-कलरव मधुकर-धुनि सुनि,

कर देइ झाँपइ कान ।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

आप कह सकते हैं कि जन्मभर के साथी की चुनावट मट्टी के ढेलों पर छोड़ना कैसी बुद्धिमानी है ! अपनी आँखों से जगह देखकर अपने हाथ से चुने हुए मट्टी के डगलों पर भरोसा करना क्यों बुरा है और लाखों करोड़ों कोस दूर बैठे बड़े-बड़े मट्टी और आग के ढेलों मंगल और शनैश्चर और बृहस्पति की कल्पित चाल के कल्पित हिसाब का भरोसा करना क्यों अच्छा है, यह मैं क्या कह सकता हूँ ? बकौल वात्स्यायन के, आज का कबूतर अच्छा है कल के मोर से । आज का पैसा अच्छा है, कल के मोहर से । आँखों देखा ढेला अच्छा ही होना चाहिए लाखों कोस के तेजःपिंड से !

अथवा

ये जो ठिंगने-से लेकिन शानदार दरख्त गरमी की भयंकर मार खा-खाकर और भूख-प्यास की निरंतर चोट सह-सहकर भी जी रहे हैं, इन्हें क्या कहूँ ? सिर्फ जी ही नहीं रहे हैं, हँस भी रहे हैं । बेहया हैं क्या ? या मस्तमौला हैं ? कभी-कभी जो लोग ऊपर से बेहया दिखते हैं, उनकी जड़ें काफी गहरी पैठी रहती हैं । ये भी पाषाण की छाती फाड़कर न जाने किस अतल गह्वर से अपना भोग्य खींच लाते हैं ।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4 × 2 = 8**

(क) साहित्य के 'पांचजन्य' से रामविलास शर्मा का क्या तात्पर्य है ? साहित्य का पांचजन्य मनुष्य को क्या प्रेरणा देता है ?

(ख) गाड़ी पर सवार होने के बाद संवदिया के मन में काँटे की चुभन का सा अनुभव क्यों हो रहा था ? उससे छुटकारा पाने के लिए उसने क्या उपाय सोचा ?

12. ब्रजमोहन व्यास **अथवा** ममता कालिया के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **6**

अथवा

रघुवीर सहाय **अथवा** जायसी के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी दो प्रमुख काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

13. भैरों ने सूरदास की झोंपड़ी में आग लगा दी और रुपयों की थैली भी चुरा ली, फिर भी रुपयों के बारे में पूछे जाने पर सूरदास झूठ बोलता है । एक अच्छे और ईमानदार व्यक्ति के द्वारा झूठ बोलने की इस विवशता के पीछे आपके विचार से क्या कारण हो सकते हैं ? मानवीय मूल्यों की दृष्टि से तर्कसंगत उत्तर दीजिए । **5**

14. (क) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में गाँव के बारे में आपको क्या-क्या जानकारियाँ मिलीं ? कम-से-कम पाँच जानकारियों का उल्लेख कीजिए । **5**

(ख) 'अपना मालवा' पाठ के लेखक का मानना है कि 'हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं वह उजाड़ की उपसभ्यता है ।' तर्कसहित प्रतिपादित कीजिए । **5**